Bhagirathi B.S.S.S. School

Sub- Sanskrit (ज)

Class- VIII

पाठ - 1 सन्धि - प्रकरणम्

सन्धि :- दो वर्णों के परस्पर मिलने से उनमें जो परिवर्तन होता है उसे 'सन्धि' कहते हैं; जैसे -

महा + ऋषिः = महर्षिः ।

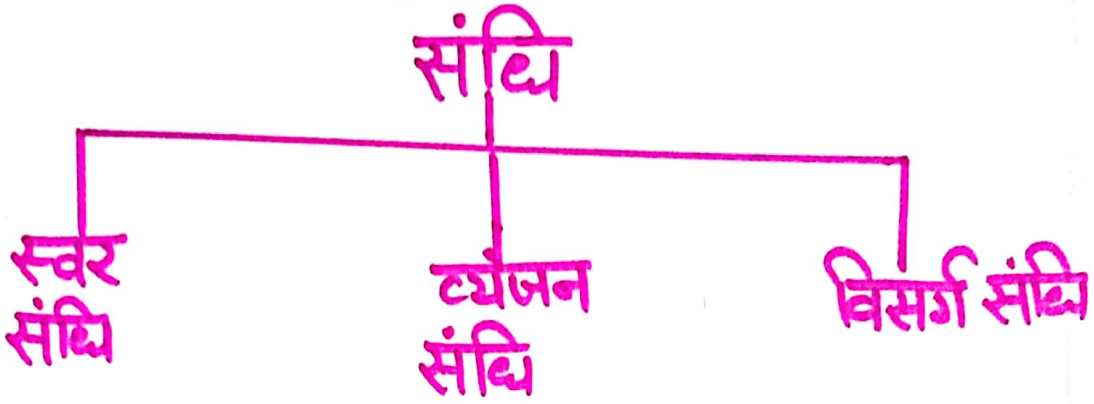

सन्धि के तीन भेद हैं :-

स्वर सन्धि

जब दो स्वरों के मिलने से उनमें कोई परिवर्तन होता है ।

जैसे :- अ + अ = आ ; मम + अपि = ममापि ।

स्वर संधि के आठ भेद हैं :-

1. दीर्घ सन्धि 2. गुण सन्धि 3. वृद्धि सन्धि

4. यण् सन्धि 5. अयादि सन्धि 6. पूर्वरूप सन्धि

7. पररूप सन्धि 8. प्रकृति भाव सन्धि

व्यंजन सन्धि

व्यंजन के पश्चात् व्यञ्जन या स्वर आने पर उनके मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे 'व्यंजन सन्धि' कहते हैं; जैसे:..

सत् + जन: = सज्जन: ।

विसर्ग सन्धि

जब विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन हो तो दोनों में जो परिवर्तन होता है, उसे 'विसर्ग सन्धि' कहते हैं। जैसे:-

देव: + गच्छति = देवो गच्छति ।

नोट:- ऊपर समझाया गया कार्य सभी छात्र अपनी कॉपी में लिखें।

गृह - कार्य

सन्धि कीजिए

1. अस्त + अचल: =
2. महा + इन्द्र: =
3. पो + अन: =
4. जगत् + ईश: =
5. वर्षा + ऋतु: =
6. नम: + कार =

सन्धि - विच्छेद कीजिए।

1. नरेन्द्र: 2. अस्ताचल: 3. गायिका 4. भावुक:
5. नमस्ते 6. सोऽगच्छत् 7. हरिश्चन्द्र: 8. वागीश:

सभी छात्र गृह कार्य को की संस्कृत व्याकरण की पुस्तक की सहायता से करें।

Scanned with CamScanner